एस.एम.एस. में एमबीए पाठ्यक्रम के तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम की हुई शुरुआत

- **स्थिरता, जिम्मेदारी और जवाबदेही से ही दीर्घकालिक सफलता संभव: अंकुर सचदेव**
- **ओरिएंटेशन कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों में दिखा उत्साह**

वाराणसी, 12 अगस्त: स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज में संचालित एम.बी.ए. पाठ्यक्रम के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. पी. एन. झा ने कहा कि आत्मनिर्भरता, नैतिकता और पेशेवर प्रतिबद्धता सफलता के ऐसे मानक हैं जिन्हें हरेक विद्यार्थी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक-व्यावसायिक परिदृश्य में कौशल को समयानुरूप अद्यतन करना और स्पष्ट करियर लक्ष्य रखना सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर नवागंतुक विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए प्रो. झा ने कहा कि प्रबंधन के गुणों का उपयोग सामाजिक हित में करें।

उदघाटन सत्र में टेनॉन फैसिलिटी मैनेजमेंट के सीईओ अंकुर सचदेव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। नवागंतुक प्रबंधन के विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए श्री सचदेव ने उन्हें कार्यस्थल पर प्रेरणा और उत्साह बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य में स्थिरता, जिम्मेदारी और जवाबदेही से ही दीर्घकालिक सफलता पायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल युग में ए.आई. के जरिये नई तकनीकी क्रान्ति आयी है जिसने प्रबंधन को नया आयाम दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ साथ समाज केंद्रित मानवपरक बुद्धिमता के प्रयोग करने की अपील की।

विशिष्ट अतिथि सिद्धेश भांबीड, डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (एच.आर.), टाटा कैपिटल समूह, मुंबई ने विद्यार्थियों से संस्थान में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं और संसाधनों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अवसरों का सही उपयोग ही विद्यार्थियों को भीड़ से अलग खड़ा करेगा। एक अन्य विशिसहत अतिथि श्री रोहित सिन्हा, सी.एच.आर.ओ.- यूनाइटेड एकता समूह, नोएडा ने नवागंतुकों से जिज्ञासु बने रहने और कठिन कार्यों को साहस के साथ पूरा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, महत्वपूर्ण यह है कि आप दोनों से क्या सीखते हैं।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित श्री अंकु कुमार, (जनरल मैनेजर, जोनल हेड (एच.आर.), अल्ट्रा टेक सीमेंट, लखनऊ) ने बदलते उद्योग परिदृश्य में सीखने और साथ ही पुराने विचारों को भूलने (अनलर्न) की क्षमता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में केवल वे लोग ही टिक पाते हैं जो खुद को निरंतर निखारते रहते हैं। तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विशेष रूप से उद्योग-शैक्षणिक सहयोग की नई योजनाओं की घोषणा भी की गयी, जिनमें इंडस्ट्री मेंटरशिप कार्यक्रम, केस स्टडी आधारित प्रोजेक्ट्स और ग्लोबल बिज़नेस सेमिनार श्रृंखला शामिल हैं।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अतिथियों व नवागंतुक विद्यार्थियों के एस.एम.एस. वाराणसी की प्रस्तावना से असोसिएट प्रोफ़ेसर वीरेश त्रिपाठी ने अवगत कराया। एम.बी.ए. पाठ्यक्रम से प्रो संदीप सिंह, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन व जनसंचार विभाग ने परिचय कराया। उदघाटन सत्र का संचालन प्रो. पल्लवी पाठक व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अमिताभ पांडेय ने किया। इस अवसर पर एस.एम.एस. वाराणसी के अधिशासी सचिव डॉ. एम. पी. सिंह , निदेशक प्रो. पी. एन. झा, कुलसचिव संजय गुप्ता सहित समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।